दैनिक भास्कर 31/8/14

उत्थान के लिए अधिक तकनीकों को विकसित करें

अविकानगर में जनजाति भेड़ बकरी पालक किसान गोष्ठी संपन्न, मुख्य अतिथि अध्यक्ष जसवंत सिंह बिश्नोई ने किसानों को लघुरोमंथी पशुओं के पालने पर जोर दिया

भास्कर न्यूज | मालपुरा

केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर में शनिवार को जन जातीय परियोजना के अंतर्गत जनजाति भेड़ बकरी पालकों की किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया।

किसान गोष्ठी के मुख्य अतिथि केंद्रीय ऊन विकास मंडल जोधपुर के अध्यक्ष जसवंत सिंह बिश्नोई ने किसानों को संबोधित करते हुए लघुरोमंथी पशुओं के पालने पर जोर दिया। उन्होंने अविकानगर के वैज्ञानिकों को कहा कि वे भेड़ बकरी पालकों के उत्थान के लिए अधिक से अधिक तकनीकों को विकसित करें जिससे किसानों को आर्थिक लाभ प्राप्त हो सके। उन्होंने किसानों को भरोसा दिलाया कि भेड़ बकरी पालने में जो कठिनाइयां आ रही है उन्हें जल्दी ही दूर किया जाएगा। उन्होंने इसके लिए राज्य की सरकार व अविकानगर संस्थान को मिलजुल कर कार्य करने की आवश्यकता जताई।

अविकानगर संस्थान निदेशक डॉ. एस.एम.के. नकवी ने इस अवसर पर तेजी से घट रहे चरागाहों पर चिंता जताते हुए कहा कि घटते चरागाह की हालत में लघुरोमंथी पशुओं को पालना ही लाभदायी है। हमारा देश भेड़ जनसंख्या में दूसरे स्थान पर है। लेकिन उत्पादन के क्षेत्र में हम पीछे हैं। उन्होंने संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा शोधित विभिन्न तकनीकों की जानकारी दी।

डॉ. राजीव गुलयानी ने इस अवसर पर संस्थान द्वारा आस पास के इक्कीस गांवों को गोद लेकर वहां पशुपालन कार्य विकसित करने की जानकारी दी। डॉ. डी.बी. शाक्यवार ने केंद्रीय ऊन विकास मंडल जोधपुर के सहयोग से संस्थान में चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी।

डॉ.एस एल सिसोदिया ने भी परियोजनाओं के बारे में बताया। सहायक निदेशक राजभाषा मुरारीलाल गुप्ता ने आभार जताया व कार्यक्रम का संचालन किया।

केंद्रीय ऊन विकास मंडल जोधपुर के अध्यक्ष ने इस अवसर पर अविकानगर के विभिन्न सेक्टरों का भ्रमण किया प्रदर्शनी देखी व ऊन वस्त्र निर्माण के लिए संस्थान में स्थापित चालीस वर्ष पुराना प्लांट देखा जहां आज भी वस्त्र निर्माण किया जाता है। ऊन कताई, धुलाई व बुनाई के अलावा वस्त्र निर्माण करने की इस पुरानी मशीन से आज भी आधुनिकतम डिजाइन के ऊनी वस्त्र निर्मित किए जाते हैं।

मालपुरा. केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान में जनजाति भेड़ बकरी पालक किसान गोष्ठी में एकत्र किसान व वैज्ञानिक।

राजस्थान पत्रिका 31/8/14

नई तकनीक विकसित करें

मालपुरा. केन्द्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर में शनिवार को केन्द्रीय ऊन विकास मण्डल अध्यक्ष जसवंतसिंह विश्नोई ने जनजाति भेड़-बकरी पालकों के लिए आयोजित किसान गोष्ठी को सम्बोधित किया। इस दौरान उन्होंने संस्थान का अवलोकन भी किया। गोष्ठी में विश्नोई ने भेड़ एवं बकरियों के पालकों के उत्थान के लिए नई-नई तकनीक विकसित किए जाने का आह्वान किया।

संस्थान निदेशक एस. एम. के. नकवी ने कहा कि भेड़ संख्या के मामले में भारत दूसरा स्थान रखता है, लेकिन उत्पादन के क्षेत्र में बहुत पीछे हैं। इसके लिए अनुसंधान किए जाने की आवश्यकता है। तकनीकी स्थानान्तरण प्रभारी डॉ. राजीव गुलयानी ने संस्थान द्वारा 21 गांवों के भेड़ पालकों को गोद लिए जाने की जानकारी दी।

इस अवसर पर डॉ. डी. बी. शाक्यवार, योजना के नोडल अधिकारी डॉ. एस. एल. सिसोदिया ने भी विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन सहायक निदेशक राजभाषा मुरारीलाल गुप्ता ने किया।